दैनिक

WWW.MEERUTDARPAN.COM You Tube/meerut darpan news

mrtdarpan@gmail.com Whatsapp:- 9897419837 RNI NO. UPHIN 2016/69845

MEERUT DARPAN NEWS

मेरठ दर्पण

वर्षः 05 अंक 275 मेरठ, शनिवार 24 अप्रैल, 2021, पृष्ठ 4, मूल्य 1 रूपया आईना सच का.....

मेडिकल में ऑक्सीजन गाड़ी पहुंचते ही लोगों में मची मारामारी

मेरठ। एक्सीडेंट को लेकर पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है और ऑक्सीजन ना होने की कमी लगातार सामने आ रही है। मेरठ के मेडिकल कॉलेज से भी दिल दुखाने वाली तस्वीरें सामने आई है। जिसमें एक पीड़ित डॉक्टर के पैर छूता नजर आ रहा है और ऑक्सीजन की मांग कर रहा है। तो दूसरी तस्वीर है ऑक्सीजन की गाड़ी मेडिकल में पहुंचते ही इस तरीके से मारामारी मची। बता दे शुक्रवार सुबह से ही सोशल मीडिया पर दो वीडियो वायरल हो रही है जिसमे साफ देखा जा सकता है। कि मेरठ मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की कितनी कमी है। जैसे ही ऑक्सीजन सिलिंडर से भरा हुआ एक छोटा ट्रक मेडिकल कॉलेज इमरजेंसी वार्ड में पहुंचता है। तो उसको लेने के लिए ही लोगों में मारामारी शुरू हो गई ऑक्सीजन के सिलेंडर लेने के लिए लोग एक दूसरे को धक्का देते हुए नजर आ रहे हैं। जिसके हाथ जो सिलेंडर लग गया वह उस सिलेंडर को लेकर अपने मरीज के पास चला गया। बता दें कि गुरुवार तक मेरठ मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन ना के बराबर थी जिसके बाद लगातार सरकार से ऑक्सीजन की डिमांड हो रही थी। ऑक्सीजन की कमी पूरी करने के लिए मोदी नगर स्थित ऑक्सीजन प्लांट से प्रशासन ने ग्रीन कॉरिडोर बनवा के महज 20 मिनट में मेरठ में ऑक्सीजन की पूर्ति करी। जिसके बाद मेरठ मेडिकल कॉलेज में मरीजों को ऑक्सीजन मुहैया हो सकी। यह वायरल वीडियो भी उसी वक्त का बताया जा रहा है

जब ऑक्सीजन के सिलेंडर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। वही एक वीडियो मैं एक मरीज तो डॉक्टर के पांव छूता नजर आ रहा है। इस शख्स की भी डॉक्टर से यही विनती थी कि उसको ऑक्सीजन सिलेंडर दे दिया जाए।जब इन वायरल वीडियो के बारे में मेरठ मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ ज्ञानेंद्र कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि किसी ने भ्रम फैला दिया था अन्यथा हॉस्पिटल के पास पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन है।

आज से रहेगा वीकेंड लॉकडाउन

मेरठ दर्पण-मेरठ। मेरठ कोरोना संक्रमण की चेन तोडने के लिये जिलाधिकारी के0बालाजी द्वारा शासन के निर्देश पर लगाये गये वीकेंड लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराने की बात कही। लॉकडाउन को सफल बनाने के लिये जिला प्रशासन द्वारा रणनीति बनानी शुरू कर दी है। उन्होने जनता से भी अपील की कि वह बिना मास्क के घरों से बाहर न निकले तथा कोविड नियमों का सख्ती से पालन करें।

एक दिन में मिले कोरोना के 3,44,949 नए मामले और 2,415 ने हारी जंग

दिल्ली एजेंसी। कोरोना महामारी दिन प्रति दिन गंभीर होती जा रही है। बड़ी संख्या में नए मरीज तो सामने आ ही रहे हैं, मरने वालों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। अगर हम पिछले तीन दिनों का ही आंकड़ा देखें तो इस दौरान करीब 10 लाख मामले बढ़ गए हैं और छह हजार से ज्यादा लोगों की जान चली गई है। सक्रिय मामले भी बढ़कर 25 लाख को पार कर गए हैं। इस गंभीर हालात से फिलहाल राहत मिलने के भी कोई संकेत नहीं मिल रहे हैं।

देश में एक दिन में मिले 3,44,949 नए मामले

वर्ल्डोमीटर और कोविड19इंडिया ओआरजी की तरफ से शुक्रवार देर रात तक मिले आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में 3,44,949 नए मामले मिले हैं, जिनमें महाराष्ट्र में 66,836, उत्तर प्रदेश में 36,605 और केरल में 28,447 मामले शामिल हैं। इस दौरान 2,620 लोगों की जान भी गई है और 2,20,382 लोग संक्रमण मुक्त भी हुए हैं।

पहली बार एक दिन में दो लाख से ज्यादा मरीज हुए ठीक

यह पहली बार है कि एक दिन में दो लाख से ज्यादा लोग ठीक हुए हैं। इसके साथ ही कुल संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ 66 लाख दो हजार से ज्यादा हो गया है। इनमें से एक करोड़ 38 लाख 63 हजार से ज्यादा मरीज पूरी तरह से ठीक हो चुके हैं और 1,89,549 लोगों की जान भी जा चुकी है। सक्रिय मामले बढ़कर 25,43,914 हो गई है।

जनपद में मिले 1288 नये संक्रमित

मेरठ दर्पण-मेरठ। मेरठ में नही रुक रहा कोरोना का कहर आज भी मिले कोरोना के 1288 नय संक्रमित मरीज। मेरठ में कोरोना से हालात लगातार खराब होते जा रहे है। अस्पतालो में मरीजो को भर्ती नही किया जा रहा। सभी अस्पताल में रूम फूल है। कुछ अस्पताल में ऑक्सिजन की कमी से मरीज परेशान है।

चोरी की घटना का खुलासा, पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार

मेरठ दर्पण-मेरठ। थाना ब्रह्मपुरी क्षेत्र के सरस्वती लोक कॉलोनी में हुई चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोने के आभूषण, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, नगदी और असलाह बरामद किया। पुलिस के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को माधवपुरम सेक्टर-2 बालिका इंटर कॉलेज के पास मुठभेड़ के दौरान शाहरुख निवासी आशियाना कॉलोनी थाना लिसाड़ीगेट और विनय उर्फ रिंकू निवासी गांव बिजौली थाना खरखौदा को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से करीब 3.50 लाख की कीमत के सोने के आभूषण, आर्टिफिशियल ज्वैलरी, 1 लाख 75 हजार रुपये नगद, घटना में प्रयुक्त बाइक, 32 बोर का एक तमंचा और कारतूस बरामद किए।

रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर भी हो रहा बड़ा खेल

मेरठ दर्पण-मेरठ। मेरठ में कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए अश्वक्सीजन के साथ-साथ रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलब्धता में भी खेल हो रहा है। इंजेक्शन अब पांच से पंद्रह गुना कीमत पर कालाबाजारी से मिल रहा है।ह्नप्रशासन ड्रग्स विभाग के साथ मिलकर यह इंजेक्शन कोविड अस्पतालों को उपलब्ध तो करा रहा है लेकिन अस्पताल में यह किन मरीजों को लगा? क्या कीमत ली गई? इसकी निगरानी की व्यवस्था नहीं है। दूसरी ओर मेरठ में कोविड अस्पताल हर रोज 1500 से 2000 इंजेक्शन तक की मांग कर रहे हैं, जबकि उपलब्धता बेहद कम है।ह्न बताया गया कि गुरुवार को 125 इंजेक्शन मिले, जबकि मंगलवार को 128 इंजेक्शन मिले थे।ह्नविशेषज्ञ चिकित्सक रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए मारामारी न करने की सलाह दे रहे हैं। उनका कहना है कि यह लाभ करता है लेकिन जान नहीं बचा सकता। बावजूद इंजेक्शन को लेने के लिए परेशान हैं। अस्पताल वाले कह रहे हैं कि उनके यहां उपलब्ध नहीं है। लोग एक-एक इंजेक्शन के लिए परेशान हैं। एक मरीज के लिए इसकी छह डोज की जरूरत पड़ती है।ह्न ड्रग्स इंस्पेक्टर पवन शाक्य ने बताया कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी रोकने के लिए अलग-अलग मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। इंजेक्शन उपलब्ध होने के बाद इसकी सूची जिलाधिकारी और एडीएम सिटी को भेजी जाती है। वह तय करते हैं कि किस अस्पताल को कितने-कितने इंजेक्शन भेजे जाने हैं। फिर उन अस्पतालों को उतने इंजेक्शन भेज दिए जाते हैं। अस्पताल इंजेक्शन का किस तरह इस्तेमाल कर रहा है, यह अस्पताल प्रबंधन का काम है।ह्न ड्रगिस्ट एंड केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री रजनीश कौशल का कहना है कि अगर रेमडेसिविर को लेकर व्यवस्था बनानी है तो इसके लिए प्रशासन को कमेटी बनाना चाहिए, जिसमें प्रशासनिक अधिकारियों के साथ चिकित्सक भी हों। कमेटी जांच करें कि जिन अस्पतालों को उन्होंने इंजेक्शन उपलब्ध कराए थे, वह किन मरीजों को लगाया गया और कितने पैसे लिए गए। अगर इसकी रोजाना निगरानी होगी तो व्यवस्था में सुधार हो सकता है।

मदद के लिए वायरल हुए मोबाइल नंबरों पर न करें एक दम विश्वास , हो सकते है ठगी का शिकार

दिल्ली एजेंसी। मेरे घर में 6 लोगों की हालत कोरोना की वजह से बहुत ही खराब हो रही है, इलाज के लिए डॉक्टर ने रेमडेसिविर इंजेक्शन के लिए बोला है, क्या आप इंजेक्शन की व्यवस्था करवा सकते हैं, आज जो भी रकम मांगेंगे, वो मैं देने के लिए तैयार हूं ये दर्द और परेशानी है दिल्ली स्थित पश्चिम विहार में रहनेवाले आशीष चावला की. वे अपने परिवार को बचाने के लिए रेमडेसेविर इंजेक्शन की डोज के लिए कई अस्पतालों और दवा दुकानों में घूमने के बाद भी नहीं मिलने पर सोशल मीडिया और वॉट्सएप पर वायरल मोबाइल नंबर पर एक शख्स से बातचीत कर रहे थे, दूसरा शख्स अपने आप को सिप्ला कंपनी का थोक विक्रेता और कंपनी का अधिकारी बता रहा था. इसी परेशानी की वजह से बिना मुलाकात किए ही आशीष ने उस आरोपी अजय अग्रवाल को करीब 79 हजार रुपये का ऑनलाइन भुगतान कर दिया. उसके बाद भी उन्हें दवा नहीं मिल पाई. बल्कि उस शख्स ने दोबारा कभी फोन नहीं उठाया. एक ओर घर के 6 लोगों की बीमारी से परेशान आशीष अब दूसरी तरफ आर्थिक नुकसान की भी पीड़ा झेल रहे हैं। हर तरफ रेमडेसिविर इंजेक्शन को लेकर हाय-तौबा मची हुई है. जिसे देखो वह उसे लेने के लिए मुंहमांगी कीमत देने के लिए तैयार है. लेकिन इसी का फायदा राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में कई अपराधी उठा रहे हैं. खासतौर पर साइबर क्राइम के मामले को अंजाम देने वाले अपराधी. हालांकि अब दिल्ली पुलिस के साथ-साथ अन्य राज्यों की पुलिस भी इस मामले की गंभीरता को देखते हुए काफी सतर्कता से तफ्तीश में जुट गई है. ताकि ऐसे अपराध पर रोक लगाई जा सके। दिल्ली पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच में एक मामला सामने आया है कि इस कोरोना संक्रमण काल में सोशल मीडिया पर कई मोबाइल नंबर और हेल्पलाइन नंबर रोजाना वायरल हो रहे हैं. इनमें से कई मोबाइल नंबर ऐसे भी हैं जो साइबर अपराधियों के हैं. अजय अग्रवाल नाम के एक आरोपी ने तो लोगों को चकमा देने के लिए अपना बैंक अकाउंट भी उसी कंपनी से मिलता-जुलता रखा है. हालांकि अब इस मामले की तफ्तीस साइबर क्राइम ब्रांच और स्थानीय पुलिस की टीम करेगी. इस तरह के मामले पर आउटर दिल्ली जिला पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हमलोग इस तरह के मामले पर ध्यान रखते हुए पिछले कुछ दिनों के दौरान कई आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करके उसके खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम देने वाले हैं. हमलोग मेडिकल और दवा के नाम पर फर्जीवाड़े को अंजाम देने वाले अपराधियों के गैंग तक पहुंचने में जुटे हुए हैं।

अर्थ डे सम्मिट में देश भर से जुड़े जल योद्धा, बताइ अपनी जल संरक्षण की कहानी

मेरठ दर्पण-मेरठ। एनवायरमेंट क्लब की ओर से विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर अर्थ डे सम्मिट 2021 का आयोजन ऑनलाइन रूप से किया गया, जिसका विषय जल संरक्षण रहा। कार्यक्रम की संचालिका इशिका खत्री ने क्लब के द्वारा चलाई जा रही पानी की बात मुहिम के बारे में सभी को बताया और सभी को जल योद्धाओं से रूबरू कराया। सम्मिट की शुरुआत क्लब के उपाध्यक्ष गोविंद शर्मा ने स्वागत भाषण देकर की। इसके बाद शुभारंभ हुआ अर्थ डे सम्मिट 2021 का, जिसमें सबसे पहले बतौर वक्ता गौतमबुध नगर के व पौंड मैन ऑफ इंडिया के नाम से जाने वाले रामवीर तंवर ने कहा कि आज गांव गांव तालाब और जोहड़ खत्म होते जा रहे हैं, जो कि अच्छी बात नहीं है। अगर हम इन तालाबों और जोहड़ो को संरक्षित करने का बीड़ा उठा ले तो लगातार गिरते जलस्तर में तेजी से वृद्धि होगी। बतौर वक्ता बुंदेलखंड का जखनी गांव जो कि देश का पहला जल ग्राम है, जिसे भारत के नीति आयोग ने आधिकारिक रूप से भारत का पहला ऐसा गांव घोषित किया है, जहां पानी की कोई कमी नहीं है के विकास पुरुष

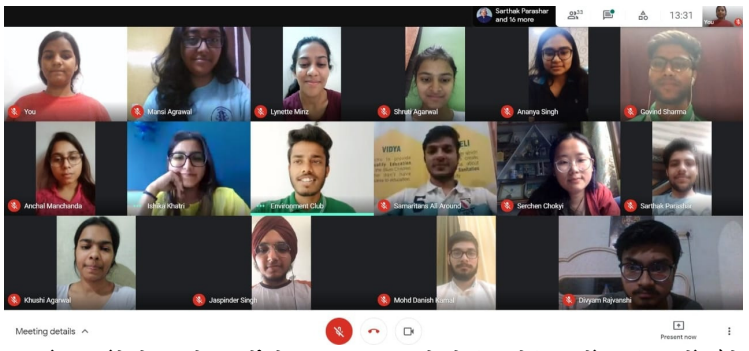

उमाशंकर पांडे ने अपने कार्यों से अवगत कराया और उन्होंने बताया कि किस तरह हम पारंपरिक तरीकों से जल का संचयन कर सकते हैं। सम्मिट में बतौर तीसरे वक्ता जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से वाटर हीरो अवार्ड से सम्मानित व युवा पर्यावरणविद् सावन कनौजिया ने कहा कि आज का युवा अपने स्मार्टफोन की दुनिया में इतना व्यस्त हो गया है, कि उसे जल संकट जैसे गंभीर विषय पर सोचने का समय ही नहीं मिलता। आज यह बहुत जरूरी है कि देश का युवा जल संरक्षण हेतु आगे आए और खुद तो पानी बचाए ही लेकिन साथ में अन्य लोगों को भी पानी की हर बूंद बचाने के लिए प्रेरित करें। सम्मिट में चौथे वक्ता राजस्थान के राजसमंद जिले के पिपलांत्री गांव के ग्राम प्रधान पद्मश्री श्याम सुंदर पालीवाल ने कहा कि हमने सबसे पहले अपने गांव वालों को जागरूक किया और जो भूमियों पर अतिक्रमण हुआ था, उन्हें अतिक्रमण मुक्त कराकर वहां तालाब खुदवाए, जोहड़ बनवाए और वहां वृक्षारोपण किया, जिससे कि गांव में पानी की समस्या जड़ से खत्म हो गई। उन्होंने बताया कि उनका पिपलांत्री गांव आज ना केवल भारत के लिए अपितु पूरे विश्व के लिए एक आदर्श ग्राम है, जिसमें देशभर से कई ग्राम प्रधान आते हैं और देखते हैं कि कैसे हमारे गांववासी मिलकर जल संरक्षण कर रहे हैं और यहां पानी की समस्या से डटकर लड़ रहे हैं। आखरी वक्ता के तौर पर बुंदेलखंड के जल पुरुष संजय सिंह ने कहा कि हमने अपने गांव में जल संरक्षण हेतु महिलाओं को आगे किया, नारी सशक्तिकरण का नारा देते हुए हमने महिलाओं को जल सहेली का नाम दिया और उनसे जल संरक्षण हेतु गांव में कार्य कराया। उन्होंने बताया कि गांव की ही एक युवा जल सहेली बबीता के नेतृत्व में गांव की अनगिनत जल सहेलियों ने बुंदेलखंड के एक पहाड़ को काटकर नहर बनाई और फिर उस नहर को बहुत बड़े तालाब से जोड़ा, जिससे उनके गांव में होने वाली पानी की किल्लत से उन्हें निजात मिल गई। वर्तमान में संजय सिंह श्जल जन जोड़ोश अभियान के तहत बुंदेलखंड के हजारों गांव में पानी पंचायत करके, लोगों को वर्षाजल संचयन व पानी को बचाने के लिए लगातार जागरुक कर रहे हैं। सम्मिट के समापन में लियो क्लब दिल्ली विश्वविद्यालय की अध्यक्षा मानसी अग्रवाल व समेरीटन्स ऑल अराउंड के अमन ने अपने विचार रखे और कहा कि एनवायरमेंट क्लब का यह सम्मिट हम युवाओं के लिए बहुत ही उपयोगी रहा, जिसमें हमें देश के जल योद्धाओं को सुनने को मिला और जल संरक्षण की कई नवीन जानकारी हमें प्राप्त हुई। इस मौके पर क्लब के संस्थापक सावन कनौजिया ने अंत में धन्यवाद ज्ञापन दिया व यह भी बताया कि इस पूरे सम्मिट को क्लब के यूट्यूब चौनल पर भी लाइव प्रसारित किया गया और जो सम्मिट में किन्ही कारणों से नहीं जुड़ पाए वें यूट्यूब चौनल पर जाकर जल योद्धाओं की कहानी को सुन सकते हैं। साथ ही उन्होंने सभी जल योद्धाओं का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने आज पृथ्वी दिवस पर हम सभी को प्रेरित किया अपनी कहानी बताई और सावन ने कहा कि आज हमें पृथ्वी दिवस पर यह संकल्प कर लेना चाहिए कि हम पृथ्वी को बचाने के लिए अपने हर संभव प्रयास करेंगे और इसके लिए सबसे पहले युवाओं का आगे आना अति आवश्यक है। अर्थ डे सम्मिट को सफलतापूर्वक आयोजित करने में क्लब के संस्थापक - सावन कनौजिया, सार्थक पाराशर, गोविंद शर्मा, इशिका खत्री, मानसी, अमन अग्रवाल, पुनीत जैन, स्वाति का मुख्य सहयोग रहा।

मोदी सरकार की गलत नीतियों के कारण देश कोरोना महामारी के संकट से गुजर रहाः प्रमोद तिवारी

लखनऊ एजेंसी। केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य तथा आउट रीच एण्ड को-ऑर्डिनेशन कमेटी, उत्तर प्रदेश के प्रभारी प्रमोद तिवारी ने कहा है कि ''मोदी सरकार'' की गलत नीतियों के कारण देश आज कोरोना महामारी के अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि ''राष्ट्रीय आपातकाल'' जैसे हालात हो गये है, अस्पतालों में न बेड है, न दवायें है, बाजार में नकली दवायें भरी पड़ी हैं, यह सबसे खतरनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। आजाद भारत में ऐसे दुर्दिन कभी नही देखने पड़े थे। हवा ऑक्सीजन का संकट पैदा हो गया है और ऑक्सीजन का संकट सिर्फ इसलिये आया है क्योंकि आपदा में अवसर ढूँढ़ने वाली केन्द्रीय सरकार ने कई देशों को दोगुना ऑक्सीजन निर्यात कर दिया है। आखिर राष्ट्रहित के खिलाफ यह निर्णय किसने, क्यों, और किसके दबाव में लिया है ? यूरोप और अमेरिका में कोरोना की दूसरी लहर आ रही थी, और स्वयं हमारे देश के वैज्ञानिक कोरोना की दूसरी लहर आने की चेतावनी दे रहे थे, तो फिर देश के लिये घातक इस निर्यात की अनुमति क्यों दी गयी ? वह भी 10- 20 प्रतिशत नहीं, बल्कि सामान्य से ''दोगुना'' निर्यात किया गया । पैसा कमाने की हवश ने केन्द्र सरकार के आँखों पर पट्टी बाँध दी , और यह निर्मम व क्रूर कदम उठा लिया। ठीक ही कहा है माननीय न्यायालय ने कि ''यह लापरवाही नहीं बल्कि हत्यायें हैं''।श्री तिवारी ने कहा है कि आज देश में 3 लाख 32 हजार 503 कोरोना संक्रमित मरीज पाये गये है जो दुनिया का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, आज तक कभी भी किसी देश में एक दिन में इतने कोरोना संक्रमित मरीज नहीं मिले हैं, सबको मालूम है कि यह आँकड़े पूरी तरह सही नहीं हैं क्योंकि बहुत से लोग टेस्ट नहीं करा रहे हैं, और जो करा रहे है उन्हें बहुत लम्बी लाइन में लगना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री के उस निर्णय से आज देश हतप्रभ है, देश में ''वैक्सीन'' पूरी तरह उपलब्ध नहीं है, और प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के चुनाव के लिये बांग्लादेश को वैक्सीन बाँट आये, यही नहीं पाकिस्तान और नैपाल सहित दुनिया के कई देशों को मुफ्त कोरोना वैक्सीन दे दिया, 82 से अधिक देशों को वैक्सीन निर्यात करने की अनुमति दे दी। देश में चाहे वैक्सीन हो अथवा ऑक्सीजन की कमी हो, दोनों परिस्थिति में राष्ट्रीय आवश्यकता से ऊपर चन्द पूँजीपतियों को पैसा कमाने की छूट दे दी। प्रधानमंत्री! अब देश को ''कोरे आश्वासन'' देना बन्द कीजिये, प्रत्येक गरीब को कम से कम रु. 7500 सात हजार पाँच सौ रुपये प्रतिमाह दीजिये, जिससे वह घर में रहे और जीविकोपार्जन के लिये उसे बाहर न निकलना पड़े, मध्यम वर्ग और वेतनभोगी को आर्थिक मदद दीजिये।

यूपी के 31 अस्पतालों में लगेंगे एयर सेपरेटर, दूर हो जायेगी आक्सीजन कमी: नवनीत सहगल

लखनऊ एजेंसी। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा कुल मिलाकर 31 अस्पतालों में एयर सैपरेटर लगाने के निर्देश जारी किये जा चुके है। वह अगले 10-15 दिन के मध्य में 31 अस्पतालों में उपलब्ध करा दिये जायेंगे। एयर सैपरेटर स्थापित हो जाने से प्रदेश के बाहर से आक्सीजन की आवश्यकता नहीं होगी। इसके साथ-साथ केन्द्र सरकार द्वारा प्रदेश सरकार को 1500 आक्सीजन कंसंट्रेटर आवंटित किये गये है। विभिन्न अस्पतालों में भेजे जा रहे है। इन कंसंट्रेटर को एक-एक मरीज को लगाया जायेगा जिससे मरीज को अतिरिक्त आक्सीजन की आवश्यकता नहीं रहेगी। प्रदेश में जो औद्योगिक इकाइयां हैं, वह औद्योगिक उपयोग के लिए आक्सीजन बना रही थी। उनको भी अब चिकित्सीय प्रयोग के लिए परिवर्तित करने की अनुमति दे दी गयी है। प्रदेश में ऐसी फैक्टरियां जो मेडिकल आक्सीजन लम्बे समय से बंद पड़ी हो उनको भी पुनः संचालित करके इस व्यवस्था में लाया जायेगा। निजी अस्पतालों को भी प्रेरित किया जा रहा है कि स्वयं अपना आक्सीजन प्लांट लगा ले जिससे बाहर से अतिरिक्त ऑक्सीजन की आवश्यकता न हो। इसके लिए एक विशेष योजना बनायी जा रही है।

उप्र में पूरी तरह चरमरा चुकी है स्वास्थ्य व्यवस्थाः अजय कुमार

लखनऊ एजेंसी। उप्र कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कोरोना महामारी की रोकथाम और संक्रमित मरीजों को समुचित इलाज न दे पाने में पूरी तरह विफल साबित हो चुकी योगी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमित मरीज प्रदेश के अस्पतालों में एक-एक बेड और आक्सीजन के लिए तड़प रहे हैं, रेमडेसिविर इंजेक्शन की व्यापक तौर पर काला बाजारी हो रही है। वेंटीलेटर और जरूरी चिकित्सा के अभाव में असमय लोगों की जान जा रही हैं। इसके बाद भी उ0प्र0 सरकार मौत के मातम, चीखते-बिलखते परिवारीजन, चिताओं से उठते धुएं के बावजूद संक्रमण की विभीषिका और हो रही मौतों को रोकने के लिए पूरी तरह गंभीर नहीं दिखाई दे रही है। उ0प्र0 में स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, सरकार और सरकारी तन्त्र पूरी तरह बेपटरी हो चुका है। उन्होने कहा कि आज प्रदेश में हालात इस कदर खराब हैं कि स्टेट हेल्थ इमरजेंसी घोषित किये जाने की जरूरत है। अकर्मण्य सरकार कोर्ट के हस्तक्षेप एवं कांग्रेस पार्टी की मांग व चेतावनी के बाद ही हिलती डुलती नजर आती है। प्रदेश के मुखिया चुनाव प्रचार के बाद टीम-11 के साथ हेड लाइन मैनेजमेंट करते हुए नजर आते हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना महामारी में सर्वाधिक मामलों में उ0प्र0 के पांच शहरों में राजधानी लखनऊ सहित गोरखपुर, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज आदि जनपद शामिल है। जहां लखनऊ प्रदेश की राजधानी है वहीं गोरखपुर खुद मुख्यमंत्री का गृह जनपद है और वाराणसी प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र है। इन तीनों जनपदों में कोरोना महामारी की विकरालता और भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि रोजाना सैंकड़ों मौतें हो रही हैं, पिछले दस दिनों में 15 हजार के लगभग मौतें दिल दहलाने वाला है। सब कुछ देखने के बाद भी सरकार अभी भी आंकड़ों को छिपाने और झूठी बयानबाजी पर अमादा है।अजय कुमार लल्लू ने कहा कि सरकार की लज्जाहीन कार्यप्रणाली के चलते पूरे प्रदेश में आक्सीजन और रेमडेसिविर सहित अन्य जरूरी दवाओं की व्यापक कालाबाजारी हो रही है इस पर सरकार रोक लगाने में पूरी तरह विफल साबित हो चुकी है। सरकार की नाक के नीचे कालाबाजारी और भ्रष्टाचार सरकारी संरक्षण के बिना संभव नहीं है? उन्होने कहा कि राजधानी में अभी 96 नये निजी अस्पतालों को मुख्यमंत्री जी ने कोविड सेन्टर में परिवर्तित करने के आदेश दिये किन्तु वहां मरीजों के लिए आक्सीजन की उपलब्धता न होने के कारण यह अस्पताल कार्य नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में संक्रमित मरीजों का उपचार कैसे और कौन करेगा यह बहुत बड़ा सवाल है? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उ0प्र0 में कोरोना संक्रमित मरीजों का आंकड़ा 2.5 लाख से अधिक पहुंच गया है। यह आंकड़ा स्तब्ध कर देने वाला है। सबसे दुःखद तो यह है कि अब कोरोना संक्रमण धीरे-धीरे जनपद और गांवों की तरफ पहुंच गया है जिससे आक्सीजन की मारामारी जनपदीय चिकित्सालयों में भी शुरू हो चुकी है। जिसको रोकने के लिए योगी सरकार के पास हवाहवाई घोषणाओं के अतिरिक्त कोई गंभीर कार्ययोजना नहीं है। प्रवासी श्रमिकों के लिए न तो क्वारंटीन सेन्टर की व्यवस्था की गयी है, न उनकी जांच हो रही है, जिससे संक्रमण की रफ्तार अब गांवों की ओर बढ़ रहा है। जबकि जिला अस्पतालों में जांच के बुनियादी संसाधनों का ही पूरी तरह अभाव है। अजय कुमार लल्लू ने कहा कि जहां तक कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज का सवाल है, गंभीर हालात में अस्पतालों के चक्कर काटकर इलाज के अभाव में मौत के मुंह में समां रहे मरीजों को इलाज देने के लिए कांग्रेस की मांग के बाद सी.एम.ओ. की रेफरल पर्ची की अनिवार्यता को योगी सरकार ने खत्म कर दिया किन्तु व्यक्तिगत आक्सीजन सिलेण्डर मरीजों को न देने का योगी सरकार का तुगलकी फरमान कोरोना के गंभीर मरीजों की जान से खिलवाड़ है। ऐसे मरीज जिनको अस्पतालों में बेड नहीं मिला वे होम आइसोलेशन में अपनी जान बंचाने के लिए आक्सीजन सिलेण्डर के सहारे मौत के खिलाफ जूझ रहे थे ऐसे में आक्सीजन सिलेण्डर न दिये जाने के आदेश ने उनके जीवन पर गहरा संकट खड़ा कर दिया है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, अंकित गुप्ता ने 'मेरठ दर्पण' न्यू गोस्वामी प्रिन्टिंग प्रेस, 44, हनुमानपुरी सूरज कुण्ड रोड़, मेरठ से छपवाकर कार्यालय 12 मैथनिया मौहल्ला, कंकरखेडा, मेरठ कैट (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादक- अंकित गुप्ता RNI NO. UPHIN 2016/69845 फोन 9897419837 Email : mrtdarpan@gmail.com
मेरठ दर्पण में प्रकाशित समस्त रचनाओं एवं विज्ञापनदाताओं के अपने विचार है इसके लिए मेरठ दर्पण की किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मेरठ ही होगा।

डीएम ने गेहूं क्रय केन्द्रों पर औचक निरीक्षण कर गेहूं खरीद का लिया जायजा, दिए निर्देश

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी जे ने आज गेहूं क्रय केन्द्रों पर अचानक पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने नवीन मण्डी, सिसौना आदि क्रय केन्द्र पर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने इस दौरान मौजूद केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि गेहूं क्रय केन्द्रों पर किसानों को समस्त सम्बन्धित आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।जिलाधिकारी ने केन्द्र प्रभारियों को निर्देश दिए कि न्यूनतम समर्थन मूल्य 1975 रूपये प्रति कुंतल पर गेहूं की खरीद की जाये। प्रत्येक केन्द्र पर किसानों के बैठने के स्थान, पीने के पानी, टैंट आदि का प्रमुखता से ख्याल रखा जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों की हरसंभव मदद की जाए। सभी केन्द्रों पर आवंटित लक्ष्य की प्रतिपूर्ति होनी चाहिए, जिससे कि जनपद में गेहूं खरीद के लक्ष्य को पूर्ण किया जा सके। सभी केन्द्र समय से खोले जाए। डीएम ने इस दौरान केन्द्रों पर बोरा, तौल मशीन, छन्ना, पेयजल आदि विभिन्न व्यवस्थाओं की केंद्र प्रभारियों से जानकारी की। उन्होंने कहा कि केन्द्र प्रभारियों द्वारा गांवों में ग्राम प्रधानों से संपर्क करके किसानों के मध्य प्रचार-प्रसार कराया जाए। इसके पूर्व जिलाधिकारी ने आज सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्धपीडीएसऋ के अन्तर्गत एफसीआई के गोदाम, निकट रामपुर तिराहा का निरीक्षण किया। उन्होने निर्देश दिये कि गेहूं के उठान व क्रय किये गये गेहू का समय से उतराई की जाये। इसमें किसी भी प्रकार का कोई विलम्ब न हो। उन्होंने निर्देश दिये कि ट्रांस्पोर्टर को तत्काल निर्देशित किया जाये कि ट्रकों की आवागमन निरन्तर बना रहे। जिलाधिकारी ने आज त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2द्द21 की मतगणना के सम्बन्ध में नवीन मण्डी

मण्डी परिसर में बनाये गये स्ट्रांग रूमों, कैमरों व उसकी सुरक्षा व्यवस्था व मतगणना हेतु बनाये जा रहे स्थल का मौके पर जाकर औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि औचक निरीक्षण जारी रहेगा। उन्होने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा लगातार किया जा रहा है। उन्होने निरीक्षण करते हुए डयूटी पर तैनात कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये। इस अवसर पर एसडीएम सदर दीपक कुमार, डिप्टी आरएमओ आदि उपस्थित रहे।

कोरोना का कहर, 60 घंटे के लॉकडाउन की कैद में जिला

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। देश के साथ साथ जिले में महा विकराल रूप धारण कर चुके कोरोना की चौन को तोड़ने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लागू किए गए वीकेंड लश्वकडाउन का पालन कराने के लिए जिले का सरकारी अमला पूर्ण रूप से मुस्तैद है। आप आपको बता दें कि शासन द्वारा आदेश जारी करने के बाद जिले की जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी जे व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव द्वारा तमाम प्रशासनिक एवं पुलिस प्रशासन को जिले में लागू किए गए 60 घंटे के लश्वक डाउन को सफल बनाने तथा उसका सख्ती के साथ पालन कराने के आदेश दिए गए हैं। इस दौरान जिले भर में सैनिटाइजेशन, साफ सफाई आदि का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाएगा स जिले के सभी बोर्डर को सील कर दिया गया है स जिससे आवागमन की स्थिति सुचारू ना हो सके तथा कोरोना की चेन को तोड़ने में सफलता मिल सके स जिले में 60 घंटों में केवल आवश्यक वस्तुओं के साथ शराब के सभी ठेके खुले रहेंगे स लश्वक डाउन लागू होने से पहले जिले में कोरोना ने आज अपने सभी रिकश्वर्ड तोड़ दिए स स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में आज 703 कोरोना के मरीज पाए गए हैं साथ 5 लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई है स अभी तक जिले में 3919 कोरोना के मरीजों का इलाज चल रहा है स जिले के सभी अधिकारी जिले में विकराल रूप धारण कर चुकी इस महामारी से बचाव के लिए मास्क लगाने और अपने आप और अपने परिवार को बचाने के लिए लगातार अपील कर रहे हैं स मगर जनता उनकी अपील को नजर अंदाज कर भीड़ का हिस्सा बन बीमारी को अपनी ओर आकर्षित कर लेते हैं।

मुजफ्फरनगर जिला कारागार के बंदी की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर जिला कारागार में बंद एक बंदी की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई है। बीती देर शाम बंदी को हालत खराब होने पर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा हैं कि बंदी को हार्ट में परेशानी के चलते जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जेल अधीक्षक ए के सक्सेना ने बताया कि बंदी प्रदीप पुत्र कालूराम उम्र लगभग 50 वर्ष निवासी सिकन्दरपुर थाना भोपा जिला मुजफ्फरनगर की मौत हो गई है। बीती देर शाम बंदी की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे जिला अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल में रखवा दिया। साथ ही मृतक के परिजनों को भी सूचना दे दी है।

कोरोना में फिर गरीबों को राशन मुहैया कराएगी मोदी सरकार

दिल्ली एजेंसी। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत महामारी में लोगों को राहत देने के लिए अगले दो महीने प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम राशन देने का ऐलान किया है। कोरोना महामारी संकट को देखते हुए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अगले दो महीनों के लिए प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम मुफ्त अनाज देने का ऐलान किया है. गरीबों के लिए ये अनाज मई और जून 2021 के लिए दिए जाएंगे. केंद्र सरकार की इस पहल से 80 करोड़ लोगों को फायदा मिलने की उम्मीद है. बता दें कि पिछले साल भी इस तरह लश्वकडाउन के समय प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत लोगों को अनाज बांटे गए थे. प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को कहा कि ये बहुत महत्वपूर्ण है कि गरीबों को पोषण युक्त अनाज मिले, जब देश कोरोना वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहा है. केंद्र सरकार इस योजना पर 26 हजार करोड़ रुपया खर्च करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कोरोना के खिलाफ लड़ाई में राज्यों को पूरे सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि यदि हम ''एक राष्ट्र'' के रूप में काम करेंगे तो संसाधनों का कोई अभाव नहीं होगा. कोविड-19 की ताजा लहर में सबसे अधिक प्रभावित 10 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा कर महामारी की मौजूदा स्थिति की समीक्षा करने के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि कोरोना की पहली लहर के दौरान संयुक्त प्रयासों और संयुक्त रणनीति से भारत ने संक्रमण से सफलता पाई थी और इसी सिद्धांत पर काम करते हुए ताजा लहर से भी मुकाबला किया जा सकता है।

मुजफ्फरनगर में कोविड की रोकथाम को लेकर सीओ सिटी कुलदीप कुमार सिंह ने चलाया जबरदस्त चेकिंग अभियान भगत सिंह रोड शिव चौक सिटी सेंटर बाजारों में बिना मास्क लगाए लोगों को जमकर हड़काया और उनके चालान भी काटे चेकिंग अभियान में शहर कोतवाल इंचार्ज योगेश शर्मा पुलिस फोर्स के साथ सीओ सिटी कुलदीप कुमार सिंह के साथ मौजूद रहे

मुजफ्फरनगर में मिले 702 कोरोना पॉजिटिव, पांच की मौत, एक्टिव केस 3919

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। जनपद में आज 702 कोरोना पॉजिटिव मिले है 263 को डिस्चार्ज कर दिया गया, 5 लोगों की कोरोना से मौत हो गई, जिसके बाद एक्टिव केस की संख्या 3919 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि आज मिले कोरोना पॉजिटिव में अंकित विहार से दो, बच्चन सिंह कॉलोनी से एक, साकेत से छः, गांधी कॉलोनी से 17, सरवट गेट से पांच, एसबीआई कॉलोनी दो, जिला अस्पताल से एक, मल्हपुरा से एक, अमित विहार से छः, सुभाष नगर से आठ, एटूजेड कॉलोनी से तीन, सराफा बाजार से एक, जिला जेल से 12, द्वारकापुरी से चार, रामपुरी से नौ, लोहिया बाजार से दो, त्रिरुपति होम से दो, रामपुर से तीन, ष्णापुरी से चार, भारत से एक, योगेंद्रपुरी से चार, शिवपुरी से दो, रामपुर से एक, जनकपुरी से तीन, जानसठ रोड़ से एक, सिविल लाइन से एक, पुलिस लाइन से दो, भोपा रोड़ से तीन, रेनबो विहार से एक, गांधी नगर से तीन, सलेमपुर से एक, लालबाग से एक, सिविल लाइन नॉर्थ से सात, केशवपुरी से पांच, आर्यपुरी से एक, नई मंड़ी से 12, आग्रसेन विहार से तीन, गुलशन विहार से पांच, लद्दावाला से चार, रामलीलाटील्ला से छः, जिला महिला अस्पताल से चार, पवन नर्सिग होम से एक, अवध विहार से तीन, जाट कॉलोनी से एक, ब्रह्मपुरी से तीन, इंदिरा कॉलोनी से आठ, बसंत विहार से दो, नॉर्थ गांधी कालोनी से एक, ष्णापुरी से तीन, रेलवे कॉलोनी से एक, पुरानी तहसील से दो, रेलवे स्टाफ से एक, मुजफ्फरनगर से 28, ब्रह्मपुरी साकेत से तीन, शाकुंतलम आवास से चार, लालबाग से एक, आदर्श कॉलोनी से चार, जानसठ रोड़ से एक, प्रेमपुरी से चार, गंगारामपुरा से एक, रोड़वेज से एक, कमल नगर से एक, फ्रैंड्स कॉलोनी से एक, रेडवेज से चार, विकास भवन से एक, शामली अड्डा कोतवाली से एक, हरीवृंदावन सिटी से एक, सिविल लाइन से छः, जीआरपी थाना से एक, महालक्ष्मी एंक्लेव से एक, शांति नगर से तीन, एकता विहार से दो, साउथ सिविल लाइन से तीन, केवलपुरी से चार, गंगाविहार से दो, साउथ सिविल लाइन से दो, साउथ भोपा रोड से दो, साउथ ष्णापुरी से दो, नवाबगंज से तीन, किरण होम से एक, आनंदपुरी से चार, सीएमओ ऑफिस से एक, सुमन विहार से दो, बिलासपुर से तीन, अलीपुर से एक, आदर्श कॉलोनी से चार, रामपुर से तीन, सिसौली से एक, भोपा से दो, ज्योति नर्सिग होम से दो, जानसठ रोड़ से दो, एसडी कॉलिज कैंपस से दो, लुहारीखुर्द से दो, दतियाना से एक, पचौंड़ा कलां से तीन, मेघाखेड़ी से एक, बझेड़ी से एक, कूकड़ा से दो, लाल बाग से दो, लक्ष्मी एन्क्लेव से एक, मुजफ्फरनगर से 45, सुरेंद्र नगर से दो, अलमासपुर से चार, मिमलाना से तीन, साकेत से दो, ब्रह्मपुरी से एक, गढ़ीदेसराज से एक, नगिना से दो, घड़ी कॉलोनी से तीन, लक्ष्मी विहार से एक, झांसी से एक, गांधी नगर से चार, नुमाइश कैंप से दो, शांति नगर से एक, इंदिरा कॉलोनी से एक, साउथ सिविल लाइन से दो, एटूजेड कॉलोनी से एक, लद्दावाला से दो, रथेड़ी से एक, बघरा से 13, बुढ़ाना से 23, चरथावल से 40, खतौली से 99, मोरना से 37, पुरकाजी से 32, शाहपुर से 14 कोरोना पॉजिटिव मिले है। आज 40 वर्षीय कांति देवी पत्नी बाबूराम, विक्रम पुत्र महिपाल निवासी पिन्ना बघरा, 70 वर्षीय रामपाल सिंह, 63 वर्षीय अशोक कुमार पुत्र काशीराम निवासी गांधी कॉलोनी, 70 वर्षीय पुष्पलता निवासी गोशाला नदी रोड़ मुजफ्फरनगर की कोरोना संक्रमण से इलाज के दौरान मौत हो गई। अब जिले में 3919 एक्टिव केस है।

प्रदेश के राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल हुए संक्रमित

मुजफ्फरनगर। प्रदेश के राज्यमंत्री कपिलदेव अग्रवाल भी आज कोरोना पश्चजिटिव हो गए। उन्होंने बताया कि शुरुआती लक्षण दिखने पर कोरोना जांच करवाई, जिसकी रिपोर्ट पश्चजिटिव आई है। सुरक्षा के लिहाज से खुद को होम क्वश्चरंटीन कर लिया है। तथा उनके संपर्क में आए लोगों से अपील की सभी लोग अपना कोरोना टेस्ट करवा लें और कोरोना गाइड लाइन का पालन करें। बता दें कि उनके परिवार के तीन सदस्य, दो नौकर और दो कार चालक पहले ही कोरोना संक्रमित है। जिनका इलाज चल रहा है। जिसके बाद आज वह खुद भी कोरोना पश्चजिटिव हो गए।

मंत्री संजीव बालियान ने की कोरोना स्थिति की समीक्षा

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। जनपद में लगातार भयानक स्तर पर पहुंच रहे कोरोना संक्रमण के कारण लोगों की लगातार हो रही मौतों और अव्यवस्थाओं की शिकायतों को देखते हुए अब केन्द्रीय राज्यमंत्री और स्थानीय सांसद डा. संजीव बालियान भी एक्टिव मोड में आ गये हैं। पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना संक्रमित होने पर होम आइसोलेशन की अवधि पूरी करने के बाद संजीव बालियान फील्ड में उतरे और जनपद में कोरोना संक्रमण से निपटने के लिए पुलिस व प्रशासनिक अफसरों के साथ मिलकर समीक्षा की। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर वार्ता करते हुए जनपद में एक नया आक्सीजन प्लांट लगवाने की मांग भी की है। शुक्रवार को विकास भवन के सभाकक्ष में केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद डा. संजीव बालियान ने वैश्विक महामारी करोंना के दौरान नियमित जरूरत की वस्तुओं, जरूरी दवाइयों, आक्सीजन आदि की समुचित व्यवस्था हेतु समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने जनपद में कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए किये जा रहे बंदोबस्तों को पुख्ता करने, कोरोना मरीजों को कोविड हश्वस्पिटल्स में सही उपचार की व्यवस्था कराये जाने, चिकित्सा व्यवस्था और कोविड जांच के लिए प्रभावी सक्रियता बनाये रखने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद में कोरोना मरीजों के उपचार और कोविड एल-2 व अन्य हश्वस्पिटल में मरीजों की उपचार व्यवस्था की जानकारी भी ली। इसके साथ साथ जनपद में आक्सीजन की उपलब्धता को लेकर भी चर्चा की गयी। बैठक के दौरान ही केन्द्रीय राज्यमंत्री डा. संजीव बालियान द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से फोन पर वार्ता करते हुए बेगराजपुर मेडिकल कालेज में आक्सीजन का नया प्लांट लगाने का अनुरोध किया गया। बैठक के दौरान विधायक उमेश मलिक, भाजपा जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला के अलावा जिलाधिकारी सेल्वा कुमारी जे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक यादव, मुख्य विकास अधिकारी आलोक यादव, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी महावीर सिंह फौजदार एवं बेगराजपुर मेडिकल कालेज के डाक्टरों से बैठक कर आवश्यक रणनीति पर विचार विमर्श किया और कोरोना संक्रमण की गंभीरता को देखते हुए उचित प्रबंध करने के निर्देश दिये।

मुजफ्फरनगर में कोविड-19 का बढ़ता प्रकोपः प्रातः 10:30 से 2:30 बजे तक क्रियाशील रहेंगी जिला अदालतें

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रभारी सचिव ने बताया कि मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेशानुसार राजीव शर्मा मा0 जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुजफ्फरनगर के निर्देशो के अनुपालन में समस्त न्यायिक अधिकारीगण, विद्वान अधिवक्तागण वादकारी तथा दीवानी न्यायालय में कर्मचारीगण को सूचित किया जाता है कि जनपद में कोविड-19 के संक्रमण के बढते हुए प्रकोप के ष्टिगत जनपद न्यायालय मुजफ्फरनगर अग्रिम आदेश तक जनपद न्यायाधीश, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, विशेष न्यायालयएससी एसटीएक्ट, विशेष न्यायालय एनडीपीएस एक्ट, विशेष न्यायालयपोक्सो एक्ट, विशेष न्यायालयईसी एक्ट, विशेष न्यायालय गैंगस्टर एक्ट, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सिविल जजसीडि एवं सिविल जज जूडि न्यायालय प्रातः 10.30 से 2.30 बजे तक क्रियाशील रहेगे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रभारी सचिव ने बताया कि न्यायालयों द्वारा अन्यथा आदेश पारित होने तक लंबितध्नये जमानत प्रार्थना-पत्र, लंबित और नये अग्रिम जमानत प्रार्थना-पत्र, विविध त्वरित दाण्डिक प्रार्थना-पत्र का निस्तारण, निषेधाज्ञा से संबंधित प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण, जेल में निरूद्व बंदियों से संबंधित न्यायिक कार्यधरिमाण्ड कार्य, ऐसे मामले, जो मा0 उच्च न्यायालय द्वारा तयशुदा समयावधि के अंदर निस्तारित किए जाने हेतु निर्देशित हो तथा अन्य प्र ति के मामले, जो मा0 जनपद न्यायाधीशध्प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय, पीठासीन अधिकारी कामर्शियल न्यायालयध्भूमि अधिग्रहण एवं पुनर्वास अधिकरणध्मोटर दुर्घटना ावा अधिकरण के विचार में त्वरित एवं उचित प्र ति के हो। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रभारी सचिव ने बताया कि अर्जेन्ट मामलो की सूची प्रतिदिन न्यायालय के मुख्य द्वार पर चस्पा की जायेगी। केवल उन्ही अधिवक्ताओं को प्रवेश की अनुमति होगी, जो मामलो की सुनवाई हेतु नियत है तथा जिन अधिवक्तागण व वादकारियों का कोविड-19 चेक हो चुका हो। प्रत्येक व्यक्ति को कोविडथर्मल स्कैनिंग के पश्चात ही न्यायालय परिसर में प्रवेश मिलेगा।

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष के साथ सिटी मजिस्ट्रेट ने की वार्ता

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन को बुलाकर सिटी मजिस्ट्रेट अभिषेक सिंह ने कालाबाजारी को रोकने एवं कोरोना काल की भयानक महामारी को देखते हुए उचित मूल्य पर सभी को दवाएं उपलब्ध हो इन्ही मुद्दों पर वार्ता की। सिटी मजिस्ट्रेट को अपने सूत्रों से लगातार दवाओं की कालाबाजारी की सूचना प्राप्त हो रही है, कोरोना महामारी की भयावकता को देखते हुए सभी दवा व्यापारियों को सरकार की गाइडलाइन का पालन करें, जिसका उन्होंने सख्त निर्देश दिया है। सिटी मजिस्ट्रेट अभिषेक सिंह ने यह भी कहा की आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सभी दवा व्यापारी अपने प्रतिष्ठान को यथा अनुसार खोल सकते हैं परंतु साप्ताहिक बंदी मंगलवार को पूर्णतया थोक दवा बाजार बंद रहेगा। जिलाध्यक्ष सुभाष चौहान ने अपने सभी दवा व्यापारियों से अनुरोध किया है की सभी दवा व्यापारी सरकार की गाइडलाइन का पालन करें और किसी भी प्रकार की कालाबाजारी और ओवर रेटिंग ना करें, मास्क जरूर लगाएं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन अवश्य करें और अपने प्रतिष्ठान पर आने वाले प्रत्येक दवा व्यापारी अथवा मरीज को भी मास्क लगाने एवं सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने का आवाहन करते रहे क्योंकि हमारे दवा व्यापारी भी कहीं ना कहीं भयावक महामारी से ग्रसित हो चुके हैं अतः सभी लोग अपना ध्यान रखें और स्वस्थ रहें सुरक्षित रहें।।

मंत्री डा. संजीव बालियान ने समाजसेवियों से मांगा सहयोग

ब्यूरोचीफ अमरदीप वर्मा

मुजफ्फरनगर। अपने स्थिसत आवास पर केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ संजीव बालियान ने जनपद के प्रमुख उद्योगपतियों, गैर सरकारी संस्थाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओ के साथ हर जरूरतमंद व्यक्ति तक भोजन, दवाई एवं ऑक्सीजन पहुचाने पर चर्चा हुई। चर्चा के दौरान सभी ने सोशल डिस्टेंसिंग व अन्य गाइडलाइन का पूरी तरह से पालन भी किया और सभी लोगो ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। मंत्री संजीव बालियान ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आप सभी से भी अनुरोध है कि चिकित्सा, भूख, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, अस्पताल, जमाखोरी, सेनिटाइजेशन, बुजुर्ग, मास्क, भोजन, एम्बुलेंस, अंतिम संस्कार इत्यादि पर अपना सुझाव मेरे फोन दव - 92195 83 103 पर दे सकते है।।